भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2843

उत्तर देने की तारीख 12 अगस्त, 2026

बुधवार, 21 श्रावण, 1948 (शक)

जिला कौशल विकास योजनाएं और विकेंद्रीकृत कौशल योजना

2843#.श्रीमती माया नारोलिया:

डा. परमार जशवंतसिंह सालमसिंह:

श्री बृज लाल:

श्री शंभू शरण पटेल:

श्रीमती साधना सिंह:

क्या कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने जिला कौशल विकास योजनाओं के माध्यम से विकेंद्रीकृत कौशल योजना की कोई समीक्षा की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) गुजरात राज्य में जिला कौशल विकास योजनाओं की तैयारी और कार्यान्वयन में क्या प्रगति हुई है;

(घ) क्या जिला-स्तरीय कौशल योजना को स्थानीय उद्योग की मांग और आजीविका के अवसरों के साथ संरेखित करने के लिए कोई संस्थागत तंत्र स्थापित किया गया है; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) और (ख) सरकार ज़िला कौशल विकास योजनाओं (डीएसडीपी) के ज़रिए विकेंद्रीकृत कौशल योजना प्रक्रिया की समय-समय पर समीक्षा करती है। यह समीक्षा डीएसडीपी की तैयारी, गुणवत्ता, कार्यान्वयन और समय-समय पर उन्हें अद्यतन करने पर केंद्रित होती है। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) डीएससी और अन्य हितधारकों के साथ नियमित रूप से क्षमता-निर्माण कार्यशालाएं और परामर्श भी आयोजित करता है। इसके अलावा,

जुलाई 2026 में आयोजित कौशल सचिवों के वार्षिक सम्मेलन के दौरान, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को ज़िला-स्तरीय कौशल योजना को मज़बूत करने के लिए डीएसडीपी की नियमित तैयारी और इसका अद्यतन सुनिश्चित करने की सलाह दी गई थी।

(ग) गुजरात ने ज़िला कौशल विकास योजना (डीएसडीपी) प्रक्रिया की तैयारी में सक्रिय रूप से भाग लिया है और वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 33 ज़िलों के लिए डीएसडीपी तैयार किए हैं। ज़िला कौशल विकास योजना में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार के दूसरे संस्करण में (2020-21), गुजरात के राजकोट ज़िले को राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान मिला, जबकि पाटन और सुरेंद्रनगर भी ज़िला कौशल विकास योजना में उत्कृष्टता के लिए पहचाने गए 30 ज़िलों में शामिल थे।

(घ) और (ड.) डीएसडीपी ज़िला-विशिष्ट कौशल आवश्यकताओं की पहचान करने और ज़िला स्तर पर कौशलीकरण पहलों के तालमेल को सुविधाजनक बनाने के लिए एक 'बॉटम-अप' संस्थागत ढांचा प्रदान करता है। डीएसडीपी प्रक्रिया में स्थानीय रोज़गार के अवसरों, कौशल की मांग, मौजूदा कौशल अंतर और उपलब्ध प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे का आकलन शामिल है। यह संस्थागत तंत्र ज़िलों को स्थानीय उद्योग की आवश्यकताओं, रोज़गार की संभावनाओं और आजीविका के अवसरों के अनुरूप कौशलीकरण पहल तैयार करने में सक्षम बनाता है।

*****